आचार्य कुन्दकुन्द की दृष्टि में निश्चय नय और व्यवहार नय

सुशील कुमार
डॉ० विश्वनाथ चौधरी

आचार्य कुन्दकुन्द ने अपने प्रमुख कृति पंचास्तिकाय, समयसार और प्रवचनसार में विषय–वस्तु का निरूपन निश्चय नय और व्यवहार नय की अपेक्षा किया है जो अन्यत्र सूक्ष्म वैज्ञानिक और सारगर्भित है।

आचार्य कुन्दकुन्दका निश्चयनय और व्यवहार नय अत्यंत तथ्यपूर्ण, सार्थक एवम् अत्यन्त वैज्ञानिक और व्यवहारिक है। इस प्रकार आचार्य कुन्दकुन्द ने निश्चय नय और व्यवहार नय दोनों दृष्टि से कथन कर समन्वय दृष्टि का सुन्दर स्पष्ट दृष्टांत पूर्वक प्रतिपादन किया है।